संस्कृत

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

--

षष्ठी कक्षा

रामानुजः
चतुर्थः पाठः

साकल्यं शोध संस्थानम्

९ अगस्त २०२०

© साकल्यं शोध संस्थानम् कृते

अनुक्रमणिका

1. पुनरावर्तनम्
2. व्याकरण भाग
3. पुस्तक के भाग
4. भाषते इति भाषा
5. अभ्यास

पिछली कक्षा

- हमने देखा कि नामपद और सर्वनाम पद उनके अन्त वर्ण के अनुसार वर्गीकृत किये जाते हैं जैसे **अकारान्त, आकारान्त ।**
- हमने देखा कि किसी तीसरे व्यक्ति से सम्बंधित वाक्य कैसे बनाते हैं ।
- हमने देखा कि ऐसे कर्ता को हम प्रथमपुरुष कहते हैं ।
- हमने देखा कि प्रथमपुरुष के कर्ता तीनों लिङ्गों में होते हैं जैसे **रामः/सः, रमा/सा, पत्रम्/तत् ।**
- इन लिङ्गों में एक, दो और अधिक नाम / सर्वनाम शब्द एकसमान नहीं होते हैं जैसे दो बालक **बालकौ** हैं पर दो बालिका **बालिके** हैं ।
- क्रिया कर्ता के लिङ्ग का अनुसरण नहीं करती इसीलिए **बालकः पठति बालिका च पठति ।**
- साकल्यम् पर अभ्यास ।

पिछली कक्षा

- हमने देखा कि नामपद और सर्वनाम पद उनके अन्त वर्ण के अनुसार वर्गीकृत किये जाते हैं जैसे **अकारान्त, आकारान्त ।**
- हमने देखा कि किसी तीसरे व्यक्ति से सम्बंधित वाक्य कैसे बनाते हैं ।
- हमने देखा कि ऐसे कर्ता को हम प्रथमपुरुष कहते हैं ।
- हमने देखा कि प्रथमपुरुष के कर्ता तीनों लिङ्गों में होते हैं जैसे **रामः/सः, रमा/सा, पत्रम्/तत् ।**
- इन लिङ्गों में एक, दो और अधिक नाम / सर्वनाम शब्द एकसमान नहीं होते हैं जैसे दो बालक **बालकौ** हैं पर दो बालिका **बालिके** हैं ।
- क्रिया कर्ता के लिङ्ग का अनुसरण नहीं करती इसीलिए **बालकः पठति बालिका च पठति ।**
- साकल्यम् पर अभ्यास ।

पिछली कक्षा

- हमने देखा कि नामपद और सर्वनाम पद उनके अन्त वर्ण के अनुसार वर्गीकृत किये जाते हैं जैसे **अकारान्त, आकारान्त ।**
- हमने देखा कि किसी तीसरे व्यक्ति से सम्बंधित वाक्य कैसे बनाते हैं ।
- हमने देखा कि ऐसे कर्ता को हम प्रथमपुरुष कहते हैं ।
- हमने देखा कि प्रथमपुरुष के कर्ता तीनों लिङ्गों में होते हैं जैसे **रामः/सः, रमा/सा, पत्रम्/तत् ।**
- इन लिङ्गों में एक, दो और अधिक नाम / सर्वनाम शब्द एकसमान नहीं होते हैं जैसे दो बालक **बालकौ** हैं पर दो बालिका **बालिके** हैं ।
- क्रिया कर्ता के लिङ्ग का अनुसरण नहीं करती इसीलिए **बालकः पठति बालिका च पठति ।**
- साकल्यम् पर अभ्यास ।

पिछली कक्षा

- हमने देखा कि नामपद और सर्वनाम पद उनके अन्त वर्ण के अनुसार वर्गीकृत किये जाते हैं जैसे **अकारान्त, आकारान्त ।**
- हमने देखा कि किसी तीसरे व्यक्ति से सम्बंधित वाक्य कैसे बनाते हैं ।
- हमने देखा कि ऐसे कर्ता को हम प्रथमपुरुष कहते हैं ।
- हमने देखा कि प्रथमपुरुष के कर्ता तीनों लिङ्गों में होते हैं जैसे **रामः/सः, रमा/सा, पत्रम्/तत् ।**
- इन लिङ्गों में एक, दो और अधिक नाम / सर्वनाम शब्द एकसमान नहीं होते हैं जैसे दो बालक **बालकौ** हैं पर दो बालिका **बालिके** हैं ।
- क्रिया कर्ता के लिङ्ग का अनुसरण नहीं करती इसीलिए **बालकः पठति बालिका च पठति ।**
- साकल्यम् पर अभ्यास ।

पिछली कक्षा

- हमने देखा कि नामपद और सर्वनाम पद उनके अन्त वर्ण के अनुसार वर्गीकृत किये जाते हैं जैसे **अकारान्त, आकारान्त ।**
- हमने देखा कि किसी तीसरे व्यक्ति से सम्बंधित वाक्य कैसे बनाते हैं ।
- हमने देखा कि ऐसे कर्ता को हम प्रथमपुरुष कहते हैं ।
- हमने देखा कि प्रथमपुरुष के कर्ता तीनों लिङ्गों में होते हैं जैसे **रामः/सः, रमा/सा, पत्रम्/तत् ।**
- इन लिङ्गों में एक, दो और अधिक नाम / सर्वनाम शब्द एकसमान नहीं होते हैं जैसे दो बालक **बालकौ** हैं पर दो बालिका **बालिके** हैं ।
- क्रिया कर्ता के लिङ्ग का अनुसरण नहीं करती इसीलिए **बालकः पठति बालिका च पठति ।**
- साकल्यम् पर अभ्यास ।

पिछली कक्षा

- हमने देखा कि नामपद और सर्वनाम पद उनके अन्त वर्ण के अनुसार वर्गीकृत किये जाते हैं जैसे **अकारान्त, आकारान्त ।**
- हमने देखा कि किसी तीसरे व्यक्ति से सम्बंधित वाक्य कैसे बनाते हैं ।
- हमने देखा कि ऐसे कर्ता को हम प्रथमपुरुष कहते हैं ।
- हमने देखा कि प्रथमपुरुष के कर्ता तीनों लिङ्गों में होते हैं जैसे **रामः/सः, रमा/सा, पत्रम्/तत् ।**
- इन लिङ्गों में एक, दो और अधिक नाम / सर्वनाम शब्द एकसमान नहीं होते हैं जैसे दो बालक **बालकौ** हैं पर दो बालिका **बालिके** हैं ।
- क्रिया कर्ता के लिङ्ग का अनुसरण नहीं करती इसीलिए **बालकः पठति बालिका च पठति ।**
- साकल्यम् पर अभ्यास ।

पिछली कक्षा

- हमने देखा कि नामपद और सर्वनाम पद उनके अन्त वर्ण के अनुसार वर्गीकृत किये जाते हैं जैसे **अकारान्त, आकारान्त ।**
- हमने देखा कि किसी तीसरे व्यक्ति से सम्बंधित वाक्य कैसे बनाते हैं ।
- हमने देखा कि ऐसे कर्ता को हम प्रथमपुरुष कहते हैं ।
- हमने देखा कि प्रथमपुरुष के कर्ता तीनों लिङ्गों में होते हैं जैसे **रामः/सः, रमा/सा, पत्रम्/तत् ।**
- इन लिङ्गों में एक, दो और अधिक नाम / सर्वनाम शब्द एकसमान नहीं होते हैं जैसे दो बालक **बालकौ** हैं पर दो बालिका **बालिके** हैं ।
- क्रिया कर्ता के लिङ्ग का अनुसरण नहीं करती इसीलिए **बालकः पठति बालिका च पठति ।**
- ▸ साकल्यम् पर अभ्यास ।

आज की कक्षा

- अपने बारे में (उत्तमपुरुष) और आपके बारे में (मध्यमपुरुष) कैसे संस्कृत प्रयोग होते हैं ।
- देखेंगे की क्या कार्य करने वाला बदलने पर क्या क्रिया पर कोई प्रभाव पड़ता है ।
- देखेंगे की क्या प्रथमपुरुष की तरह इनमें भी लिङ्ग के अनुसार नाम और सर्वनाम शब्द होंगें ।

आज की कक्षा

- अपने बारे में (उत्तमपुरुष) और आपके बारे में (मध्यमपुरुष) कैसे संस्कृत प्रयोग होते हैं ।
- देखेंगे की क्या कार्य करने वाला बदलने पर क्या क्रिया पर कोई प्रभाव पड़ता है ।
- देखेंगे की क्या प्रथमपुरुष की तरह इनमें भी लिङ्ग के अनुसार नाम और सर्वनाम शब्द होंगें ।

आज की कक्षा

- अपने बारे में (उत्तमपुरुष) और आपके बारे में (मध्यमपुरुष) कैसे संस्कृत प्रयोग होते हैं ।
- देखेंगे की क्या कार्य करने वाला बदलने पर क्या क्रिया पर कोई प्रभाव पड़ता है ।
- देखेंगे की क्या प्रथमपुरुष की तरह इनमें भी लिङ्ग के अनुसार नाम और सर्वनाम शब्द होंगें ।

अनुक्रमणिका

1. पुनरावर्तनम्
2. व्याकरण भाग
3. पुस्तक के भाग
4. भाषते इति भाषा
5. अभ्यास

प्रथमपुरुषः

प्रथमपुरुषः

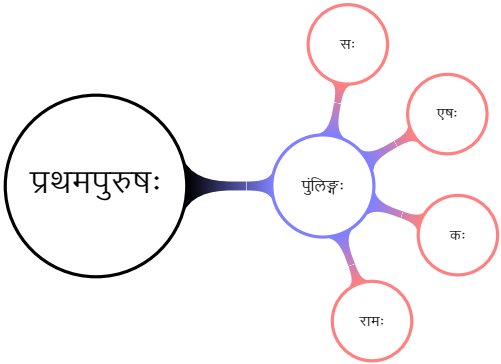

प्रथमपुरुषः

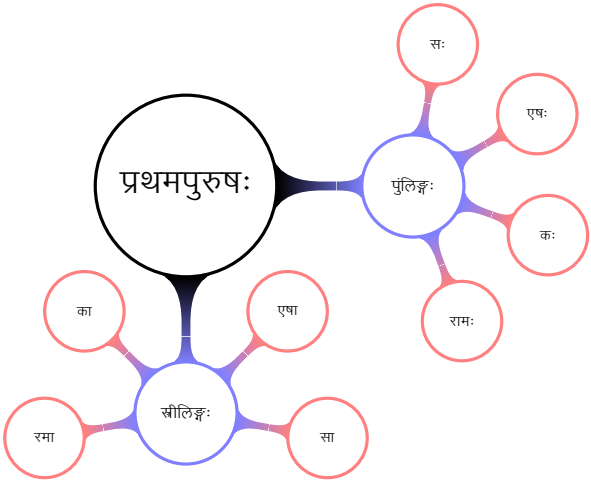

प्रथमपुरुषः

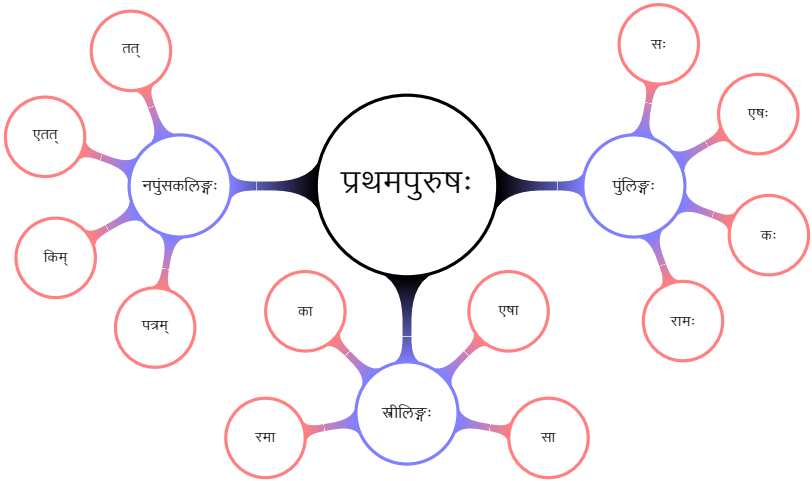

कर्ता के प्रकार

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

कृष्णः

श्यामा

रामः

पुरुष

- यहाँ जब कृष्ण अपने बारे में बोल रहा है जैसे **मैं** **जा रहा हूँ** (उत्तम पुरुष कर्ता) ।
- जब कृष्ण श्यामा के बारे में उससे कह रहा है जैसे तुम कहाँ जा रही हो (मध्यम पुरुष कर्ता) ?
- और जब वो राम के बारे में बोल रहा है जैसे राम कहाँ जा रहे हो (प्रथम पुरुष कर्ता) ?

कर्ता के प्रकार

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

कृष्णः

श्यामा

रामः

पुरुष

- यहाँ जब कृष्ण अपने बारे में बोल रहा है जैसे **मैं जा रहा हूँ** (उत्तम पुरुष कर्ता) ।
- जब कृष्ण श्यामा के बारे में उससे कह रहा है जैसे **तुम** कहाँ **जा रही हो** (मध्यम पुरुष कर्ता) ?
- और जब वो राम के बारे में बोल रहा है जैसे **राम** कहाँ **जा रहे हो** (प्रथम पुरुष कर्ता) ?

कर्ता के प्रकार

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

कृष्णः

श्यामा

रामः

पुरुष

- यहाँ जब कृष्ण अपने बारे में बोल रहा है जैसे **मैं जा रहा हूँ** (उत्तम पुरुष कर्ता) ।
- जब कृष्ण श्यामा के बारे में उससे कह रहा है जैसे **तुम** कहाँ **जा रही हो** (मध्यम पुरुष कर्ता) ?
- और जब वो राम के बारे में बोल रहा है जैसे **राम** कहाँ **जा रहे हो** (प्रथम पुरुष कर्ता) ?

पुरुष

■ हिन्दी ■ संस्कृत

उत्तमपुरुष

एकवचन		द्विवचन		बहुवचन	
मैं	अहम्	हम दो	आवाम्	हम सब	वयम्
मुझको	माम्	हम दोनों को	आवाम्	हम सबको	अस्मान्
मेरा	मम[a]	हम दोनों का	आवयोः	हम सब का	अस्माकम्

[a]मम (म् + अ + म् + अ) != मम् (म् + अ + म्)

मध्यमपुरुष

एकवचन		द्विवचन		बहुवचन	
तुम	त्वम्	तुम दो	युवाम्	तुम सब	यूयम्
तुमको	त्वाम्	तुम दोनों को	युवाम्	तुम सबको	युष्मान्
तुम्हारा	तव	तुम दोनों का	युवयोः	तुम सब का	युष्माकम्

पुरुष

■ हिन्दी ■ संस्कृत

उत्तमपुरुष

एकवचन		द्विवचन		बहुवचन	
मैं	अहम्	हम दो	आवाम्	हम सब	वयम्
मुझको	माम्	हम दोनों को	आवाम्	हम सबको	अस्मान्
मेरा	मम[a]	हम दोनों का	आवयोः	हम सब का	अस्माकम्

[a]मम (म् + अ + म् + अ) != मम् (म् + अ + म्)

मध्यमपुरुष

एकवचन		द्विवचन		बहुवचन	
तुम	त्वम्	तुम दो	युवाम्	तुम सब	यूयम्
तुमको	त्वाम्	तुम दोनों को	युवाम्	तुम सबको	युष्मान्
तुम्हारा	तव	तुम दोनों का	युवयोः	तुम सब का	युष्माकम्

क्रिया

मैं जा रहा हूँ

तुम जा रहे हो

वह जा रहा है

कर्ता के अनुसार क्रिया में बदलाव

- ऊपर के वाक्यों में कर्ता के अनुसार क्रिया शब्द में परिवर्तन है जैसे हूँ, रहे हो, रहा है ।
- इसी तरह संस्कृत में भी करने वाले के अनुसार क्रिया परिवर्तित हो जाती है ।

अहं गच्छामि

त्वं गच्छसि

सः गच्छति

- संस्कृत में करने वाले का और क्रिया का वचन सदैव एक ही होता है ।
- करने वाले के अनुसार ही क्रिया पुरुष का प्रयोग करना है ।
- तो आइये कुछ वाक्य देखते हैं ।

क्रिया

मैं जा रहा हूँ　　तुम जा रहे हो　　वह जा रहा है

कर्ता के अनुसार क्रिया में बदलाव

- ऊपर के वाक्यों में कर्ता के अनुसार क्रिया शब्द में परिवर्तन है जैसे **हूँ, रहे हो, रहा है ।**
- इसी तरह संस्कृत में भी करने वाले के अनुसार क्रिया परिवर्तित हो जाती है ।

अहं गच्छामि　　त्वं गच्छसि　　सः गच्छति

- संस्कृत में करने वाले का और क्रिया का वचन सदैव एक ही होता है ।
- करने वाले के अनुसार ही क्रिया पुरुष का प्रयोग करना है ।
- तो आइये कुछ वाक्य देखते हैं ।

क्रिया

मैं जा रहा हूँ　　तुम जा रहे हो　　वह जा रहा है

कर्ता के अनुसार क्रिया में बदलाव

- ऊपर के वाक्यों में कर्ता के अनुसार क्रिया शब्द में परिवर्तन है जैसे **हूँ, रहे हो, रहा है ।**
- इसी तरह संस्कृत में भी करने वाले के अनुसार क्रिया परिवर्तित हो जाती है ।

अहं गच्छामि　　त्वं गच्छसि　　सः गच्छति

- संस्कृत में करने वाले का और क्रिया का वचन सदैव एक ही होता है ।
- करने वाले के अनुसार ही क्रिया पुरुष का प्रयोग करना है ।
- तो आइये कुछ वाक्य देखते हैं ।

क्रिया

मैं जा रहा हूँ　　तुम जा रहे हो　　वह जा रहा है

कर्ता के अनुसार क्रिया में बदलाव

- ऊपर के वाक्यों में कर्ता के अनुसार क्रिया शब्द में परिवर्तन है जैसे **हूँ, रहे हो, रहा है ।**
- इसी तरह संस्कृत में भी करने वाले के अनुसार क्रिया परिवर्तित हो जाती है ।

अहं गच्छामि　　त्वं गच्छसि　　सः गच्छति

- संस्कृत में करने वाले का और क्रिया का वचन सदैव एक ही होता है ।
- करने वाले के अनुसार ही क्रिया पुरुष का प्रयोग करना है ।
- तो आइये कुछ वाक्य देखते हैं ।

क्रिया

मैं जा रहा हूँ

तुम जा रहे हो

वह जा रहा है

कर्ता के अनुसार क्रिया में बदलाव

- ऊपर के वाक्यों में कर्ता के अनुसार क्रिया शब्द में परिवर्तन है जैसे **हूँ, रहे हो, रहा है ।**
- इसी तरह संस्कृत में भी करने वाले के अनुसार क्रिया परिवर्तित हो जाती है ।

अहं गच्छामि

त्वं गच्छसि

सः गच्छति

- संस्कृत में करने वाले का और क्रिया का वचन सदैव एक ही होता है ।
- करने वाले के अनुसार ही क्रिया पुरुष का प्रयोग करना है ।
- तो आइये कुछ वाक्य देखते हैं ।

क्रिया

मैं जा रहा हूँ　　तुम जा रहे हो　　वह जा रहा है

कर्ता के अनुसार क्रिया में बदलाव

- ऊपर के वाक्यों में कर्ता के अनुसार क्रिया शब्द में परिवर्तन है जैसे **हूँ, रहे हो, रहा है ।**
- इसी तरह संस्कृत में भी करने वाले के अनुसार क्रिया परिवर्तित हो जाती है ।

अहं गच्छामि　　त्वं गच्छसि　　सः गच्छति

- संस्कृत में करने वाले का और क्रिया का वचन सदैव एक ही होता है ।
- करने वाले के अनुसार ही क्रिया पुरुष का प्रयोग करना है ।
- तो आइये कुछ वाक्य देखते हैं ।

क्रिया

मैं जा रहा हूँ　　तुम जा रहे हो　　वह जा रहा है

कर्ता के अनुसार क्रिया में बदलाव

- ऊपर के वाक्यों में कर्ता के अनुसार क्रिया शब्द में परिवर्तन है जैसे **हूँ, रहे हो, रहा है ।**
- इसी तरह संस्कृत में भी करने वाले के अनुसार क्रिया परिवर्तित हो जाती है ।

अहं गच्छामि　　त्वं गच्छसि　　सः गच्छति

- संस्कृत में करने वाले का और क्रिया का वचन सदैव एक ही होता है ।
- करने वाले के अनुसार ही क्रिया पुरुष का प्रयोग करना है ।
- तो आइये कुछ वाक्य देखते हैं ।

क्रिया

मैं जा रहा हूँ　　तुम जा रहे हो　　वह जा रहा है

कर्ता के अनुसार क्रिया में बदलाव

- ऊपर के वाक्यों में कर्ता के अनुसार क्रिया शब्द में परिवर्तन है जैसे **हूँ, रहे हो, रहा है ।**
- इसी तरह संस्कृत में भी करने वाले के अनुसार क्रिया परिवर्तित हो जाती है ।

अहं गच्छामि　　त्वं गच्छसि　　सः गच्छति

- संस्कृत में करने वाले का और क्रिया का वचन सदैव एक ही होता है ।
- करने वाले के अनुसार ही क्रिया पुरुष का प्रयोग करना है ।
- तो आइये कुछ वाक्य देखते हैं ।

सभी पुरुषों में वाक्यप्रयोग

सभी पुरुषों में वाक्यप्रयोग

सभी पुरुषों में वाक्यप्रयोग

सभी पुरुषों में वाक्यप्रयोग

सभी पुरुषों में वाक्यप्रयोग

सभी पुरुषों में वाक्यप्रयोग

सभी पुरुषों में वाक्यप्रयोग

सभी पुरुषों में वाक्यप्रयोग

सभी पुरुषों में वाक्यप्रयोग

सभी पुरुषों में वाक्यप्रयोग

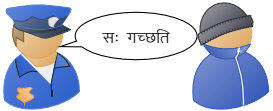

उत्तम और मध्यमपुरुष में लिङ्ग विचार

- मैं (अहम्) और तुम (त्वम्) में लिङ्ग भेद नहीं होता।
- अहम् और त्वम् के लिए क्रिया पद प्रथम पुरुष से अलग होते हैं।
- व्यवहार में अधिकतर वाक्य प्रथम पुरुष के होते हैं।

उत्तम और मध्यमपुरुष में लिङ्ग विचार

- मैं (अहम्) और तुम (त्वम्) में लिङ्ग भेद नहीं होता।
- अहम् और त्वम् के लिए क्रिया पद प्रथम पुरुष से अलग होते हैं।
- व्यवहार में अधिकतर वाक्य प्रथम पुरुष के होते हैं।

उत्तम और मध्यमपुरुष में लिङ्ग विचार

- मैं (अहम्) और तुम (त्वम्) में लिङ्ग भेद नहीं होता।
- अहम् और त्वम् के लिए क्रिया पद प्रथम पुरुष से अलग होते हैं।
- व्यवहार में अधिकतर वाक्य प्रथम पुरुष के होते हैं।

उत्तम और मध्यमपुरुष में लिङ्ग विचार

- मैं (अहम्) और तुम (त्वम्) में लिङ्ग भेद नहीं होता।
- अहम् और त्वम् के लिए क्रिया पद प्रथम पुरुष से अलग होते हैं।
- व्यवहार में अधिकतर वाक्य प्रथम पुरुष के होते हैं।

उत्तम और मध्यमपुरुष में लिङ्ग विचार

- मैं (अहम्) और तुम (त्वम्) में लिङ्ग भेद नहीं होता।
- अहम् और त्वम् के लिए क्रिया पद प्रथम पुरुष से अलग होते हैं।
- व्यवहार में अधिकतर वाक्य प्रथम पुरुष के होते हैं।

उत्तम और मध्यमपुरुष में लिङ्ग विचार

- मैं (अहम्) और तुम (त्वम्) में लिङ्ग भेद नहीं होता ।
- अहम् और त्वम् के लिए क्रिया पद प्रथम पुरुष से अलग होते हैं ।
- व्यवहार में अधिकतर वाक्य प्रथम पुरुष के होते हैं ।

उत्तम और मध्यमपुरुष में लिङ्ग विचार

- मैं (अहम्) और तुम (त्वम्) में लिङ्ग भेद नहीं होता ।
- अहम् और त्वम् के लिए क्रिया पद प्रथम पुरुष से अलग होते हैं ।
- व्यवहार में अधिकतर वाक्य प्रथम पुरुष के होते हैं ।

उत्तम और मध्यमपुरुष में लिङ्ग विचार

- मैं (अहम्) और तुम (त्वम्) में लिङ्ग भेद नहीं होता ।
- अहम् और त्वम् के लिए क्रिया पद प्रथम पुरुष से अलग होते हैं ।
- व्यवहार में अधिकतर वाक्य प्रथम पुरुष के होते हैं ।

अनुक्रमणिका

1. पुनरावर्तनम्
2. व्याकरण भाग
3. पुस्तक के भाग
4. भाषते इति भाषा
5. अभ्यास

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

यह विद्यालय ।

एषः विद्यालयः ।

यहाँ कई छात्र कई शिक्षक कई शिक्षिकाएं और हैं ।

अत्र छात्राः शिक्षकाः शिक्षिकाः च सन्ति ।

यह कम्प्यूटर प्रयोगशाला है । ये सब कम्प्यूटर (कई) हैं ।

एषा सङ्गणकयन्त्रप्रयोगशाला अस्ति । एतानि सङ्गणकयन्त्राणि सन्ति ।

यह हमारा विद्यालय का बगीचा है । बगीचे में कई फूल हैं । हम सब यहाँ खेलते हैं पढ़ते हैं और ।

एतत् अस्माकं विद्यालयस्य उद्यानम् अस्ति । उद्याने पुष्पाणि सन्ति । वयम् अत्र क्रीडामः पठामः च ।

तुम्हारा नाम क्या?

ऋचा - तव नाम किम् ?

मैं यहाँ ही पढ़ता हूँ ।

प्रणवः - अहम् अत्र एव पठामि ।

मेरा नाम प्रणव तुम्हारा नाम क्या?

प्रणवः - मम नाम प्रणवः । तव नाम किम् ?

अब हम दोनों दो मित्र दो हैं ।

इदानीम् आवां मित्रे स्वः ।

मेरा नाम ऋचा । तुम कहाँ पढ़ते हो ?

ऋचा - मम नाम ऋचा । त्वं कुत्र पठसि ?

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

यह विद्यालय ।

एषः विद्यालयः ।

यहाँ कई छात्र कई शिक्षक कई शिक्षिकाएं और हैं ।

अत्र छात्राः शिक्षकाः शिक्षिकाः च सन्ति ।

यह कम्प्यूटर प्रयोगशाला है । ये सब कम्प्यूटर (कई) हैं ।

एषा सङ्गणकयन्त्रप्रयोगशाला अस्ति । एतानि सङ्गणकयन्त्राणि सन्ति ।

यह हमारा विद्यालय का बगीचा है । बगीचे में कई फूल हैं । हम सब यहाँ खेलते हैं पढ़ते हैं और ।

एतत् अस्माकं विद्यालयस्य उद्यानम् अस्ति । उद्याने पुष्पाणि सन्ति । वयम् अत्र क्रीडामः पठामः च ।

तुम्हारा नाम क्या?

ऋचा - तव नाम किम् ?

मैं यहाँ ही पढ़ता हूँ ।

प्रणवः - अहम् अत्र एव पठामि ।

मेरा नाम प्रणव तुम्हारा नाम क्या?

प्रणवः - मम नाम प्रणवः । तव नाम किम् ?

अब हम दोनों दो मित्र दो हैं ।

इदानीम् आवां मित्रे स्वः ।

मेरा नाम ऋचा । तुम कहाँ पढ़ते हो ?

ऋचा - मम नाम ऋचा । त्वं कुत्र पठसि ?

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

यह विद्यालय ।

एषः विद्यालयः ।

यहाँ कई छात्र कई शिक्षक कई शिक्षिकाएं और हैं ।

अत्र छात्राः शिक्षकाः शिक्षिकाः च सन्ति ।

यह कम्प्यूटर प्रयोगशाला है । ये सब कम्प्यूटर (कई) हैं ।

एषा सङ्गणकयन्त्रप्रयोगशाला अस्ति । एतानि सङ्गणकयन्त्राणि सन्ति ।

यह हमारा विद्यालय का बगीचा है । बगीचे में कई फूल हैं । हम सब यहाँ खेलते हैं पढ़ते हैं और ।

एतत् अस्माकं विद्यालयस्य उद्यानम् अस्ति । उद्याने पुष्पाणि सन्ति । वयम् अत्र क्रीडामः पठामः च ।

तुम्हारा नाम क्या?

ऋचा - तव नाम किम् ?

मैं यहाँ ही पढ़ता हूँ ।

प्रणवः - अहम् अत्र एव पठामि ।

मेरा नाम प्रणव तुम्हारा नाम क्या?

प्रणवः - मम नाम प्रणवः । तव नाम किम् ?

अब हम दोनों दो मित्र दो हैं ।

इदानीम् आवां मित्रे स्वः ।

मेरा नाम ऋचा । तुम कहाँ पढ़ते हो ?

ऋचा - मम नाम ऋचा । त्वं कुत्र पठसि ?

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

यह विद्यालय ।

एषः विद्यालयः ।

यहाँ कई छात्र कई शिक्षक कई शिक्षिकाएं और हैं ।

अत्र छात्राः शिक्षकाः शिक्षिकाः च सन्ति ।

यह कम्प्यूटर प्रयोगशाला है । ये सब कम्प्यूटर (कई) हैं ।

एषा सङ्गणकयन्त्रप्रयोगशाला अस्ति । एतानि सङ्गणकयन्त्राणि सन्ति ।

यह हमारा विद्यालय का बगीचा है । बगीचे में कई फूल हैं । हम सब यहाँ खेलते हैं पढ़ते हैं और ।

एतत् अस्माकं विद्यालयस्य उद्यानम् अस्ति । उद्याने पुष्पाणि सन्ति । वयम् अत्र क्रीडामः पठामः च ।

तुम्हारा नाम क्या?

ऋचा - तव नाम किम् ?

मैं यहाँ ही पढ़ता हूँ ।

प्रणवः - अहम् अत्र एव पठामि ।

मेरा नाम प्रणव तुम्हारा नाम क्या?

प्रणवः - मम नाम प्रणवः । तव नाम किम् ?

अब हम दोनों दो मित्र दो हैं ।

इदानीम् आवां मित्रे स्वः ।

मेरा नाम ऋचा । तुम कहाँ पढ़ते हो ?

ऋचा - मम नाम ऋचा । त्वं कुत्र पठसि ?

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

यह विद्यालय ।

एषः विद्यालयः ।

यहाँ कई छात्र कई शिक्षक कई शिक्षिकाएं और हैं ।

अत्र छात्राः शिक्षकाः शिक्षिकाः च सन्ति ।

यह कम्प्यूटर प्रयोगशाला है । ये सब कम्प्यूटर (कई) हैं ।

एषा सङ्गणकयन्त्रप्रयोगशाला अस्ति । एतानि सङ्गणकयन्त्राणि सन्ति ।

यह हमारा विद्यालय का बगीचा है । बगीचे में कई फूल हैं । हम सब यहाँ खेलते हैं पढ़ते हैं और ।

एतत् अस्माकं विद्यालयस्य उद्यानम् अस्ति । उद्याने पुष्पाणि सन्ति । वयम् अत्र क्रीडामः पठामः च ।

तुम्हारा नाम क्या?

ऋचा - तव नाम किम् ?

मैं यहाँ ही पढ़ता हूँ ।

प्रणवः - अहम् अत्र एव पठामि ।

मेरा नाम प्रणव तुम्हारा नाम क्या?

प्रणवः - मम नाम प्रणवः । तव नाम किम् ?

अब हम दोनों दो मित्र दो हैं ।

इदानीम् आवां मित्रे स्वः ।

मेरा नाम ऋचा । तुम कहाँ पढ़ते हो ?

ऋचा - मम नाम ऋचा । त्वं कुत्र पठसि ?

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

यह विद्यालय ।

एषः विद्यालयः ।

यहाँ कई छात्र कई शिक्षक कई शिक्षिकाएं और हैं ।

अत्र छात्राः शिक्षकाः शिक्षिकाः च सन्ति ।

यह कम्प्यूटर प्रयोगशाला है । ये सब कम्प्यूटर (कई) हैं ।

एषा सङ्गणकयन्त्रप्रयोगशाला अस्ति । एतानि सङ्गणकयन्त्राणि सन्ति ।

यह हमारा विद्यालय का बगीचा है । बगीचे में कई फूल हैं । हम सब यहाँ खेलते हैं पढ़ते हैं और ।

एतत् अस्माकं विद्यालयस्य उद्यानम् अस्ति । उद्याने पुष्पाणि सन्ति । वयम् अत्र क्रीडामः पठामः च ।

तुम्हारा नाम क्या?

ऋचा - तव नाम किम् ?

मैं यहाँ ही पढ़ता हूँ ।

प्रणवः - अहम् अत्र एव पठामि ।

मेरा नाम प्रणव तुम्हारा नाम क्या?

प्रणवः - मम नाम प्रणवः । तव नाम किम् ?

अब हम दोनों दो मित्र दो हैं ।

इदानीम् आवां मित्रे स्वः ।

मेरा नाम ऋचा । तुम कहाँ पढ़ते हो ?

ऋचा - मम नाम ऋचा । त्वं कुत्र पठसि ?

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

यह विद्यालय ।

एषः विद्यालयः ।

यहाँ कई छात्र कई शिक्षक कई शिक्षिकाएं और हैं ।

अत्र छात्राः शिक्षकाः शिक्षिकाः च सन्ति ।

यह कम्प्यूटर प्रयोगशाला है । ये सब कम्प्यूटर (कई) हैं ।

एषा सङ्गणकयन्त्रप्रयोगशाला अस्ति । एतानि सङ्गणकयन्त्राणि सन्ति ।

यह हमारा विद्यालय का बगीचा है । बगीचे में कई फूल हैं । हम सब यहाँ खेलते हैं पढ़ते हैं और ।

एतत् अस्माकं विद्यालयस्य उद्यानम् अस्ति । उद्याने पुष्पाणि सन्ति । वयम् अत्र क्रीडामः पठामः च ।

तुम्हारा नाम क्या?

ऋचा - तव नाम किम् ?

मेरा नाम प्रणव तुम्हारा नाम क्या?

प्रणवः - मम नाम प्रणवः । तव नाम किम् ?

मैं यहाँ ही पढ़ता हूँ ।

प्रणवः - अहम् अत्र एव पठामि ।

अब हम दोनों दो मित्र दो हैं ।

इदानीम् आवां मित्रे स्वः ।

मेरा नाम ऋचा । तुम कहाँ पढ़ते हो ?

ऋचा - मम नाम ऋचा । त्वं कुत्र पठसि ?

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

यह विद्यालय ।

एषः विद्यालयः ।

यहाँ कई छात्र कई शिक्षक कई शिक्षिकाएं और हैं ।

अत्र छात्राः शिक्षकाः शिक्षिकाः च सन्ति ।

यह कम्प्यूटर प्रयोगशाला है । ये सब कम्प्यूटर (कई) हैं ।

एषा सङ्गणकयन्त्रप्रयोगशाला अस्ति । एतानि सङ्गणकयन्त्राणि सन्ति ।

यह हमारा विद्यालय का बगीचा है । बगीचे में कई फूल हैं । हम सब यहाँ खेलते हैं पढ़ते हैं और ।

एतत् अस्माकं विद्यालयस्य उद्यानम् अस्ति । उद्याने पुष्पाणि सन्ति । वयम् अत्र क्रीडामः पठामः च ।

तुम्हारा नाम क्या?

ऋचा - तव नाम किम् ?

मैं यहाँ ही पढ़ता हूँ ।

प्रणवः - अहम् अत्र एव पठामि ।

मेरा नाम प्रणव तुम्हारा नाम क्या?

प्रणवः - मम नाम प्रणवः । तव नाम किम् ?

अब हम दोनों दो मित्र दो हैं ।

इदानीम् आवां मित्रे स्वः ।

मेरा नाम ऋचा । तुम कहाँ पढ़ते हो ?

ऋचा - मम नाम ऋचा । त्वं कुत्र पठसि ?

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

यह विद्यालय ।

एषः विद्यालयः ।

यहाँ कई छात्र कई शिक्षक कई शिक्षिकाएं और हैं ।

अत्र छात्राः शिक्षकाः शिक्षिकाः च सन्ति ।

यह कम्प्यूटर प्रयोगशाला है । ये सब कम्प्यूटर (कई) हैं ।

एषा सङ्गणकयन्त्रप्रयोगशाला अस्ति । एतानि सङ्गणकयन्त्राणि सन्ति ।

यह हमारा विद्यालय का बगीचा है । बगीचे में कई फूल हैं । हम सब यहाँ खेलते हैं पढ़ते हैं और ।

एतत् अस्माकं विद्यालयस्य उद्यानम् अस्ति । उद्याने पुष्पाणि सन्ति । वयम् अत्र क्रीडामः पठामः च ।

तुम्हारा नाम क्या?

ऋचा - तव नाम किम् ?

मैं यहाँ ही पढ़ता हूँ ।

प्रणवः - अहम् अत्र एव पठामि ।

मेरा नाम प्रणव तुम्हारा नाम क्या?

प्रणवः - मम नाम प्रणवः । तव नाम किम् ?

अब हम दोनों दो मित्र दो हैं ।

इदानीम् आवां मित्रे स्वः ।

मेरा नाम ऋचा । तुम कहाँ पढ़ते हो ?

ऋचा - मम नाम ऋचा । त्वं कुत्र पठसि ?

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

यह विद्यालय ।

एषः विद्यालयः ।

यहाँ कई छात्र कई शिक्षक कई शिक्षिकाएं और हैं ।

अत्र छात्राः शिक्षकाः शिक्षिकाः च सन्ति ।

यह कम्प्यूटर प्रयोगशाला है । ये सब कम्प्यूटर (कई) हैं ।

एषा सङ्गणकयन्त्रप्रयोगशाला अस्ति । एतानि सङ्गणकयन्त्राणि सन्ति ।

यह हमारा विद्यालय का बगीचा है । बगीचे में कई फूल हैं । हम सब यहाँ खेलते हैं पढ़ते हैं और ।

एतत् अस्माकं विद्यालयस्य उद्यानम् अस्ति । उद्याने पुष्पाणि सन्ति । वयम् अत्र क्रीडामः पठामः च ।

तुम्हारा नाम क्या?

ऋचा - तव नाम किम् ?

मेरा नाम प्रणव तुम्हारा नाम क्या?

प्रणवः - मम नाम प्रणवः । तव नाम किम् ?

मेरा नाम ऋचा । तुम कहाँ पढ़ते हो ?

ऋचा - मम नाम ऋचा । त्वं कुत्र पठसि ?

मैं यहाँ ही पढ़ता हूँ ।

प्रणवः - अहम् अत्र एव पठामि ।

अब हम दोनों दो मित्र दो हैं ।

इदानीम् आवां मित्रे स्वः ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे छात्रों तुम सब क्या करते हो (कई) ?

शिक्षिका - छात्राः ! यूयं किं कुरुथ ?

हे आचार्या हम सब जा रहे हैं (कई) ।

छात्राः - आचार्ये ! वयं गच्छामः ।

तुम सब कहाँ जा रहे हो (कई)

शिक्षिका - यूयं कुत्र गच्छथ ।

हम सब सभागार को जा रहे हो (कई)

छात्राः - वयं सभागारं गच्छामः ।

तुम सभी की पुस्तकें (कई) कहाँ हैं ?

शिक्षिका - युष्माकं पुस्तकानि कुत्र । सन्ति ?

हम सभी का पुस्तकें (कई) यहाँ हैं ।

छात्राः - अस्माकं पुस्तकानि अत्र सन्ति ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे छात्रों तुम सब क्या करते हो (कई) ?

शिक्षिका - छात्राः ! यूयं किं कुरुथ ?

हे आचार्या हम सब जा रहे हैं (कई) ।

छात्राः - आचार्ये ! वयं गच्छामः ।

तुम सब कहाँ जा रहे हो (कई)

शिक्षिका - यूयं कुत्र गच्छथ ।

हम सब सभागार को जा रहे हो (कई)

छात्राः - वयं सभागारं गच्छामः ।

तुम सभी की पुस्तकें (कई) कहाँ हैं ?

शिक्षिका - युष्माकं पुस्तकानि कुत्र । सन्ति ?

हम सभी का पुस्तकें (कई) यहाँ हैं ।

छात्राः - अस्माकं पुस्तकानि अत्र सन्ति ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे छात्रों तुम सब क्या करते हो (कई) ?

शिक्षिका - छात्राः ! यूयं किं कुरुथ ?

हे आचार्या हम सब जा रहे हैं (कई) ।

छात्राः - आचार्ये ! वयं गच्छामः ।

तुम सब कहाँ जा रहे हो (कई)

शिक्षिका - यूयं कुत्र गच्छथ ।

हम सब सभागार को जा रहे हो (कई)

छात्राः - वयं सभागारं गच्छामः ।

तुम सभी की पुस्तकें (कई) कहाँ हैं ?

शिक्षिका - युष्माकं पुस्तकानि कुत्र । सन्ति ?

हम सभी का पुस्तकें (कई) यहाँ हैं ।

छात्राः - अस्माकं पुस्तकानि अत्र सन्ति ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे छात्रों तुम सब क्या करते हो (कई) ?

शिक्षिका - छात्राः ! यूयं किं कुरुथ ?

हे आचार्या हम सब जा रहे हैं (कई) ।

छात्राः - आचार्ये ! वयं गच्छामः ।

तुम सब कहाँ जा रहे हो (कई)

शिक्षिका - यूयं कुत्र गच्छथ ।

हम सब सभागार को जा रहे हो (कई)

छात्राः - वयं सभागारं गच्छामः ।

तुम सभी की पुस्तकें (कई) कहाँ हैं ?

शिक्षिका - युष्माकं पुस्तकानि कुत्र । सन्ति ?

हम सभी का पुस्तकें (कई) यहाँ हैं ।

छात्राः - अस्माकं पुस्तकानि अत्र सन्ति ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे छात्रों तुम सब क्या करते हो (कई) ?

शिक्षिका - छात्राः ! यूयं किं कुरुथ ?

हे आचार्या हम सब जा रहे हैं (कई) ।

छात्राः - आचार्ये ! वयं गच्छामः ।

तुम सब कहाँ जा रहे हो (कई)

शिक्षिका - यूयं कुत्र गच्छथ ।

हम सब सभागार को जा रहे हो (कई)

छात्राः - वयं सभागारं गच्छामः ।

तुम सभी की पुस्तकें (कई) कहाँ हैं ?

शिक्षिका - युष्माकं पुस्तकानि कुत्र । सन्ति ?

हम सभी का पुस्तकें (कई) यहाँ हैं ।

छात्राः - अस्माकं पुस्तकानि अत्र सन्ति ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे छात्रों तुम सब क्या करते हो (कई) ?

शिक्षिका - छात्राः ! यूयं किं कुरुथ ?

हे आचार्या हम सब जा रहे हैं (कई) ।

छात्राः - आचार्ये ! वयं गच्छामः ।

तुम सब कहाँ जा रहे हो (कई)

शिक्षिका - यूयं कुत्र गच्छथ ।

हम सब सभागार को जा रहे हो (कई)

छात्राः - वयं सभागारं गच्छामः ।

तुम सभी की पुस्तकें (कई) कहाँ हैं ?

शिक्षिका - युष्माकं पुस्तकानि कुत्र । सन्ति ?

हम सभी का पुस्तकें (कई) यहाँ हैं ।

छात्राः - अस्माकं पुस्तकानि अत्र सन्ति ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे छात्रों तुम सब क्या करते हो (कई) ?

शिक्षिका - छात्राः ! यूयं किं कुरुथ ?

हे आचार्या हम सब जा रहे हैं (कई) ।

छात्राः - आचार्ये ! वयं गच्छामः ।

तुम सब कहाँ जा रहे हो (कई)

शिक्षिका - यूयं कुत्र गच्छथ ।

हम सब सभागार को जा रहे हो (कई)

छात्राः - वयं सभागारं गच्छामः ।

तुम सभी की पुस्तकें (कई) कहाँ हैं ?

शिक्षिका - युष्माकं पुस्तकानि कुत्र । सन्ति ?

हम सभी का पुस्तकें (कई) यहाँ हैं ।

छात्राः - अस्माकं पुस्तकानि अत्र सन्ति ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे दो छात्रों तुम दोनों क्या करते हो (दो) ?

शिक्षकः - छात्रौ ! युवां किं कुरुथः ?

हे आचार्य हम दोनों श्लोक को गाते हैं (दो)

छात्रौ - आचार्य ! आवां श्लोकं गायावः ।

बहुत अच्छा, क्या तुम दोनों श्लोक को नहीं लिखते हो (दो)?

शिक्षकः - शोभनम्, किं युवां श्लोकं न लिखथः ?

हम दोनों लिखते हैं (दो) पढ़ते हैं (दो) गाते हैं (दो) चित्र (कई) भी बनाते हैं (दो) ।

छात्रौ - आवां लिखावः पठावः गायावः चित्राणि अपि रचयावः ।

बहुत अच्छा ।

शिक्षकः - बहुशोभनम् ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे दो छात्रों तुम दोनों क्या करते हो (दो) ?

शिक्षकः - छात्रौ ! युवां किं कुरुथः ?

हे आचार्य हम दोनों श्लोक को गाते हैं (दो)

छात्रौ - आचार्य ! आवां श्लोकं गायावः ।

बहुत अच्छा, क्या तुम दोनों श्लोक को नहीं लिखते हो (दो)?

शिक्षकः - शोभनम्, किं युवां श्लोकं न लिखथः ?

हम दोनों लिखते हैं (दो) पढ़ते हैं (दो) गाते हैं (दो) चित्र (कई) भी बनाते हैं (दो) ।

छात्रौ - आवां लिखावः पठावः गायावः चित्राणि अपि रचयावः ।

बहुत अच्छा ।

शिक्षकः - बहुशोभनम् ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे दो छात्रों तुम दोनों क्या करते हो (दो) ?

शिक्षकः - छात्रौ ! युवां किं कुरुथः ?

हे आचार्य हम दोनों श्लोक को गाते हैं (दो)

छात्रौ - आचार्य ! आवां श्लोकं गायावः ।

बहुत अच्छा, क्या तुम दोनों श्लोक को नहीं लिखते हो (दो)?

शिक्षकः - शोभनम्, किं युवां श्लोकं न लिखथः ?

हम दोनों लिखते हैं (दो) पढ़ते हैं (दो) गाते हैं (दो) चित्र (कई) भी बनाते हैं (दो) ।

छात्रौ - आवां लिखावः पठावः गायावः चित्राणि अपि रचयावः ।

बहुत अच्छा ।

शिक्षकः - बहुशोभनम् ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे दो छात्रों तुम दोनों क्या करते हो (दो) ?

शिक्षकः - छात्रौ ! युवां किं कुरुथः ?

हे आचार्य हम दोनों श्लोक को गाते हैं (दो)

छात्रौ - आचार्य ! आवां श्लोकं गायावः ।

बहुत अच्छा, क्या तुम दोनों श्लोक को नहीं लिखते हो (दो)?

शिक्षकः - शोभनम्, किं युवां श्लोकं न लिखथः ?

हम दोनों लिखते हैं (दो) पढ़ते हैं (दो) गाते हैं (दो) चित्र (कई) भी बनाते हैं (दो) ।

छात्रौ - आवां लिखावः पठावः गायावः चित्राणि अपि रचयावः ।

बहुत अच्छा ।

शिक्षकः - बहुशोभनम् ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे दो छात्रों तुम दोनों क्या करते हो (दो) ?

शिक्षकः - छात्रौ ! युवां किं कुरुथः ?

हे आचार्य हम दोनों श्लोक को गाते हैं (दो)

छात्रौ - आचार्य ! आवां श्लोकं गायावः ।

बहुत अच्छा, क्या तुम दोनों श्लोक को नहीं लिखते हो (दो)?

शिक्षकः - शोभनम्, किं युवां श्लोकं न लिखथः ?

हम दोनों लिखते हैं (दो) पढ़ते हैं (दो) गाते हैं (दो) चित्र (कई) भी बनाते हैं (दो) ।

छात्रौ - आवां लिखावः पठावः गायावः चित्राणि अपि रचयावः ।

बहुत अच्छा ।

शिक्षकः - बहुशोभनम् ।

पुस्तक के भाग

■ नाम पद ■ सर्वनाम पद ■ क्रिया पद

हे दो छात्रों तुम दोनों क्या करते हो (दो) ?

शिक्षकः - छात्रौ ! युवां किं कुरुथः ?

हे आचार्य हम दोनों श्लोक को गाते हैं (दो)

छात्रौ - आचार्य ! आवां श्लोकं गायावः ।

बहुत अच्छा, क्या तुम दोनों श्लोक को नहीं लिखते हो (दो)?

शिक्षकः - शोभनम्, किं युवां श्लोकं न लिखथः ?

हम दोनों लिखते हैं (दो) पढ़ते हैं (दो) गाते हैं (दो) चित्र (कई) भी बनाते हैं (दो) ।

छात्रौ - आवां लिखावः पठावः गायावः चित्राणि अपि रचयावः ।

बहुत अच्छा ।

शिक्षकः - बहुशोभनम् ।

अनुक्रमणिका

1. पुनरावर्तनम्
2. व्याकरण भाग
3. पुस्तक के भाग
4. भाषते इति भाषा
5. अभ्यास

भाषते इति भाषा

■ हिन्दी ■ संस्कृत

- किसी भाषा को सीखने एकमात्र विकल्प है उस भाषा में सम्भाषण करना (बोलना) ।
- अपने कक्षा के इस भाग में हम छोटे छोटे संस्कृत शब्द और वाक्य सीखेंगें जिसे आप घर में प्रतिदिन प्रयोग करना शुरू कर सकते हैं ।

कार्यालय	कार्यालयः	परोसिये	परिवेषयतु
बैंक	वित्तकोषः	रोटी	रोटिका
दुकान	आपणः	क्या हुआ ?	किम् अभवत्
नमक	लवणम्	नही चाहिए	मास्तु
आने वाला कल	श्वः	लाऊँ ?	आनयामि ?
दवा	औषधिः	कदा	कब
बीता कल	ह्यः	कथम्	कैसे

भाषते इति भाषा

■ हिन्दी ■ संस्कृत

- किसी भाषा को सीखने एकमात्र विकल्प है उस भाषा में सम्भाषण करना (बोलना) ।
- अपने कक्षा के इस भाग में हम छोटे छोटे संस्कृत शब्द और वाक्य सीखेंगें जिसे आप घर में प्रतिदिन प्रयोग करना शुरू कर सकते हैं ।

कार्यालय	कार्यालयः	परोसिये	परिवेषयतु
बैंक	वित्तकोषः	रोटी	रोटिका
दुकान	आपणः	क्या हुआ ?	किम् अभवत्
नमक	लवणम्	नहीं चाहिए	मास्तु
आने वाला कल	श्वः	लाऊँ ?	आनयामि ?
दवा	औषधिः	कदा	कब
बीता कल	ह्यः	कथम्	कैसे

भाषते इति भाषा

■ हिन्दी ■ संस्कृत

- किसी भाषा को सीखने एकमात्र विकल्प है उस भाषा में सम्भाषण करना (बोलना) ।
- अपने कक्षा के इस भाग में हम छोटे छोटे संस्कृत शब्द और वाक्य सीखेंगें जिसे आप घर में प्रतिदिन प्रयोग करना शुरू कर सकते हैं ।

कार्यालय	कार्यालयः	परोसिये	परिवेषयतु
बैंक	वित्तकोषः	रोटी	रोटिका
दुकान	आपणः	क्या हुआ ?	किम् अभवत्
नमक	लवणम्	नही चाहिए	मास्तु
आने वाला कल	श्वः	लाऊँ ?	आनयामि ?
दवा	औषधिः	कदा	कब
बीता कल	ह्यः	कथम्	कैसे

भाषते इति भाषा

■ हिन्दी ■ संस्कृत

- किसी भाषा को सीखने एकमात्र विकल्प है उस भाषा में सम्भाषण करना (बोलना) ।
- अपने कक्षा के इस भाग में हम छोटे छोटे संस्कृत शब्द और वाक्य सीखेंगें जिसे आप घर में प्रतिदिन प्रयोग करना शुरू कर सकते हैं ।

कार्यालय	कार्यालयः
बैंक	वित्तकोषः
दुकान	आपणः
नमक	लवणम्
आने वाला कल	श्वः
दवा	औषधिः
बीता कल	ह्यः

परोसिये	परिवेषयतु
रोटी	रोटिका
क्या हुआ ?	किम् अभवत्
नहीं चाहिए	मास्तु
लाऊँ ?	आनयामि ?
कदा	कब
कथम्	कैसे

भाषते इति भाषा

■ हिन्दी ■ संस्कृत

- किसी भाषा को सीखने एकमात्र विकल्प है उस भाषा में सम्भाषण करना (बोलना) ।
- अपने कक्षा के इस भाग में हम छोटे छोटे संस्कृत शब्द और वाक्य सीखेंगें जिसे आप घर में प्रतिदिन प्रयोग करना शुरू कर सकते हैं ।

कार्यालय	कार्यालयः
बैंक	वित्तकोषः
दुकान	आपणः
नमक	लवणम्
आने वाला कल	श्वः
दवा	औषधिः
बीता कल	ह्यः

परोसिये	परिवेषयतु
रोटी	रोटिका
क्या हुआ ?	किम् अभवत्
नहीं चाहिए	मास्तु
लाऊँ ?	आनयामि ?
कदा	कब
कथम्	कैसे

अनुक्रमणिका

1. पुनरावर्तनम्
2. व्याकरण भाग
3. पुस्तक के भाग
4. भाषते इति भाषा
5. अभ्यास

साकल्यम् पर अभ्यास

- पहली कक्षा के video में कैसे quiz करनी है दिखाया गया है ।
- यहाँ quiz की एक link होगी उस पर click करके आप सारे अभ्यास प्रश्न कर सकते हैं ।
- Quiz पूरी करने के बाद आप अपने आप ही पुस्तक की समस्त अभ्यास अपने से कर सकेंगें ।
- किसी तरह की शङ्का की स्थिति में video पर टिप्पणी करें अथवा साकल्यम् पर contact us पर क्लिक करें ।

साकल्यम् पर अभ्यास

- पहली कक्षा के video में कैसे quiz करनी है दिखाया गया है ।
- यहाँ quiz की एक link होगी उस पर click करके आप सारे अभ्यास प्रश्न कर सकते हैं ।
- Quiz पूरी करने के बाद आप अपने आप ही पुस्तक की समस्त अभ्यास अपने से कर सकेंगें ।
- किसी तरह की शङ्का की स्थिति में video पर टिप्पणी करें अथवा साकल्यम् पर contact us पर क्लिक करें ।

साकल्यम् पर अभ्यास

- पहली कक्षा के video में कैसे quiz करनी है दिखाया गया है ।
- यहाँ quiz की एक link होगी उस पर click करके आप सारे अभ्यास प्रश्न कर सकते हैं ।
- Quiz पूरी करने के बाद आप अपने आप ही पुस्तक की समस्त अभ्यास अपने से कर सकेंगें ।
- किसी तरह की शङ्का की स्थिति में video पर टिप्पणी करें अथवा साकल्यम् पर contact us पर क्लिक करें ।

साकल्यम् पर अभ्यास

- पहली कक्षा के video में कैसे quiz करनी है दिखाया गया है ।
- यहाँ quiz की एक link होगी उस पर click करके आप सारे अभ्यास प्रश्न कर सकते हैं ।
- Quiz पूरी करने के बाद आप अपने आप ही पुस्तक की समस्त अभ्यास अपने से कर सकेंगें ।
- किसी तरह की शङ्का की स्थिति में video पर टिप्पणी करें अथवा साकल्यम् पर contact us पर क्लिक करें ।

अगली कक्षा

- पञ्चमः पाठः - वृक्षाः

धन्यवादः

अगली कक्षा

- पञ्चमः पाठः - वृक्षाः

धन्यवादः

अगली कक्षा

- पञ्चमः पाठः - वृक्षाः

धन्यवादः